

नृत्य कलाकक्षा-11

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2021-22 में विद्यालयों में समय से पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-

इकाई-1 भाव, कटाक्ष निकास, पदम

इकाई-2 परन, रामगोपाल, लच्छू महराज।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

नृत्य कलाकक्षा-11

एक लिखित प्रश्न-पत्र तीन घण्टे और 50 अंकों का होगा। इसके अलावा 50 अंकों की प्रयोगात्मक परीक्षा भी होगी। उत्तीर्ण होने के लिये विद्यार्थी को लिखित, प्रयोगात्मक और योग में क्रमशः कम से कम 17, 16 और 33 अंक पाना आवश्यक है।

इकाई-1

25 अंक

निम्नलिखित में से किसी एक की परिभाषा और व्याख्या जहाँ सम्भव हो सके उदाहरण और चित्र देते हुये—कथक, भरतनाट्यम्।

ताप्डव, सास्य, मुद्रा, मुद्राय गीत, कविता, कसूक-मसूक अल्लारिपु, जातिस्वरम्, शब्दम्, वर्णम्, थिल्लन, लय, हरोवा, विरामद्रुत, लघु, गुरु प्लृत काकपद।

लयकारियों के विभिन्न प्रकार हाथों के (संयुक्त), सात प्रकार की भ्रमरी गति, 8 प्रकार की चाल।

इकाई-2

25 अंक

कथक के भेद और विशेषतायें (मुरली की गति, मटकी, गागर) अथवा भरतनाट्यम् अल्लारिपु, जातिस्वरम्, शब्दम्, वर्णम्, पदम्।

गतों टुकड़े, आमद सलाम आदि को ताललिपि में लिखने की योग्यता जो नृत्य के साथ संगत के रूप में प्रयुक्त होता है। निम्नलिखित तालों के टेकों, उनकी विभिन्न लयों जैसे-दुगुन, चौगुन का ज्ञान, झपताल, त्रिताल-

नौ रसों का परिचय।

नृत्य सम्बन्धी किसी भी सामान्य विषय पर छोटा निबन्ध।

निम्नलिखित नृत्यकारों की जीवनियाँ-

सितारा देवी,, विन्दादीन,

प्रयोगात्मक

50 अंक

1 टखने, धुटने, कमर, कन्ध, बाहों, कलाइयों, सिर, गर्दन, आंखों, भौंहों की गतियों का अभ्यास, विभिन्न प्रकार की चालों का प्रदर्शन।

2 चौताल में सरल तत्त्वकार, चारगत, एक आमद, तीन चक्करदार परन। 10 टुकड़े और कवित तीन तालों में, एक गत दो परन।

3 तबले पर तीन ताल, झपताल के टेके बनाने की योग्यता। कम से कम उपरोक्त तालों में से प्रत्येक में दो टुकड़े और सभी टुकड़े आदि को हाथ से ताली, खाली आदि दिखाते हुये सभी तालों को पहचानने और अनुगमन करने की योग्यता।

4 कथानक और पौराणिक नृत्य जैसे कृष्ण की जीवन घटनायें आदि से दो नृत्य।

या

अल्लारिपु, जातिस्वरम्, शब्दम्, वर्णम् की भरत नाट्यम् नृत्य की शृंखला किन्हीं दो रागों में।

पुस्तक : कोई भी पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक से परामर्श करके पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

नृत्यकला

अधिकतम अंक 50

नूनतम उत्तीर्णक 16 अंक

समय प्रति परीक्षार्थी 15-20 मि०

1 परीक्षार्थी का अपना चुना हुआ नृत्य।	08
2 परीक्षक द्वारा पूछे गये नृत्य खण्ड गत टुकड़े आदि विभिन्न तालों में बताना।	03
3 वेश, शृंगार, सज्जा, अन्य प्रसाधन आदि।	03
4 अभिव्यक्ति, संदेश, भाव आदि।	03
5 लयकारी, ताल, ज्ञान आदि।	03
6 नृत्य के टुकड़ों और ताल को विभिन्न लयों में हाथ से ताली आदि दिखाते हुये।	02

7 सामान्य धारण और नृत्य का प्रभाव।	03
8 रिकॉर्ड।	05
9 प्रोजेक्ट।	10
10 सत्रीय कार्य।	10